PRACTICES	HYBRID CABBAGE (GREEN STAR)	व्यवस्थापन	हाइब्रिड कैबेज (ग्रीन स्टार)	વ્યવસ્થાપન
Field Sanitation	Remove residues of previous crops, weeds, old vines and diseased/damaged plant material before sowing. Keep the boundries of field clean to reduce pest and disease carry-over.	**खेत की सफाई**	बुवाई से पहले पिछली फसलों के अवशेष, खरपतवार, पुरानी बेलें और रोगग्रस्त/क्षतिग्रस्त पौधों को हटा दें। कीटों और रोगों के प्रसार को कम करने के लिए खेत की सीमाओं को साफ रखें।	**ખેતરની સ્વચ્છતા**
Soil requirement	Sandy loam to clay loam soil, well-drained, fertile, with good organic matter. Ideal pH-range: around 6.0-6.5. Avoid waterlogging, saline and acidic soil.	**मिट्टी की आवश्यकता**	बलुई दोमट से चिकनी दोमट मिट्टी, अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ और पर्याप्त जैविक पदार्थ युक्त। आदर्श पीएच सीमा: लगभग 6.0-6.5। जलभराव, खारी और अम्लीय मिट्टी से बचें।	**માટીની જરૂરિયાત**
Soil Testing	Conduct soil testing at least once every 2–3 years for EC, pH, OC, and macro-micro nutrients, and apply fertilizers based on test results.	**मृदा परीक्षण**	मिट्टी की ईसी, पीएच, ओईसी और वृहद-सूक्ष्म पोषक तत्वों की जांच कम से कम हर 2-3 साल में एक बार करें और परीक्षण परिणामों के आधार पर उर्वरक डालें।	**માટી પરીક્ષણ**
Climate Suitability	Climate Requirement Cabbage prefers cool and moist climate. Optimum temperature: 15–25 °C for growth and head formation. High temperature causes loose heads; frost damages outer leaves.	**जलवायु उपयुक्तता**	जलवायु संबंधी आवश्यकताएँ पत्तागोभी को ठंडी और नम जलवायु पसंद होती है। विकास और पत्तागोभी बनने के लिए इष्टतम तापमान 15-25 डिग्री सेल्सियस है। उच्च तापमान से पत्तागोभी ढीली हो जाती है; पाला बाहरी पत्तियों को नुकसान पहुँचाता है।	**આબોહવા યોગ્યતા**
Land preparation	Land Preparation 3–4 ploughings followed by harrowing to achieve fine tilth. Add 10–12 t well-decomposed FYM per acre before final ploughing. Prepare raised beds or ridges and furrows for good drainage.	**भूमि की तैयारी**	भूमि की तैयारी 3-4 बार जुताई के बाद हैरोइंग करके मिट्टी को बारीक बना लें। अंतिम जुताई से पहले प्रति एकड़ 10-12 टन अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद डालें। अच्छी जल निकासी के लिए ऊँची क्यारियाँ या मेड़ें और नालियाँ तैयार करें।	**જમીનની તૈયારી**
Sowing Time	Sowing Time / Season • Early crop: June – July (transplant August). • Main crop: September – October (transplant October–November). • Late crop: November – December (transplant January). In hills: April – August.	**बुवाई का समय**	बुवाई का समय/मौसम • प्रारंभिक फसल: जून-जुलाई (रोपण अगस्त)। • मुख्य फसल: सितंबर-अक्टूबर (रोपण अक्टूबर-नवंबर)। • देर से आने वाली फसल: नवंबर-दिसंबर (रोपण जनवरी)। पहाड़ी क्षेत्रों में: अप्रैल-अगस्त।	**વાવણી સમય**
Seed rate & Spacing	Seed Rate / Sowing Method / Spacing Seed rate: 0.15–0.20 kg per acre (≈ 400–500 g/ha). Nursery: Sow seeds on raised beds; transplant 30–35 day-old healthy seedlings. Spacing: 45 cm × 45 cm for early; 60 cm × 45 cm for late crop.	**बीज दर और दूरी**	बीज की मात्रा / बुवाई विधि / पौधों के बीच की दूरी बीज की मात्रा: 0.15–0.20 किलोग्राम प्रति एकड़ (≈ 400–500 ग्राम/हेक्टेयर)। नर्सरी: उठी हुई क्यारियों में बीज बोएं; 30-35 दिन पुराने स्वस्थ पौधों को रोपें। पौधों के बीच की दूरी: जल्दी पकने वाली फसल के लिए 45 सेमी × 45 सेमी; देर से पकने वाली फसल के लिए 60 सेमी × 45 सेमी।	**બીજ દર અને અંતર**
Seed Treatment	Seed Treatment / Fungicide Treat seeds with Thiram or Captan @ 3 g/kg or Trichoderma viride @ 4 g/kg before sowing. Nursery soil can be drenched with Copper Oxychloride @ 0.3% to prevent damping-off.	**बीज उपचार**	बीज उपचार / फफूंदनाशक बुवाई से पहले बीजों को थिरम या कैप्टन (3 ग्राम/किग्रा.) या ट्राइकोडर्मा विरिडे (4 ग्राम/किग्रा.) से उपचारित करें। नर्सरी की मिट्टी को कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (0.3%) से अच्छी तरह भिगोकर फफूंदनाशक रोग से बचाया जा सकता है।	**બીજ માવજત**
Weed Management	Weed Control First weeding 20–25 days after transplanting; second at 40–45 days. Mulching helps suppress weeds and conserve moisture. For pre-emergence weed control, use Pendimethalin @ 1 L/acre (if permitted).	**खरपतवार प्रबंधन**	खरपतवार नियंत्रण रोपाई के 20-25 दिन बाद पहली बार खरपतवार निकालें; दूसरी बार 40-45 दिन बाद। मल्चिंग खरपतवारों को दबाने और नमी बनाए रखने में सहायक होती है। अंकुरण से पहले खरपतवार नियंत्रण के लिए, पेंडिमेथालिन का प्रयोग 1 लीटर प्रति एकड़ की दर से करें (यदि अनुमति हो)।	**નીંદણ વ્યવસ્થાપન**
Fertilizer Management	Fertilizer & Nutrient Management (Per Acre) Organic manure: 10–12 t FYM before transplanting. Chemical fertilizers: • Urea – 100 kg (≈ 46 kg N) • SSP – 150 kg (≈ 24 kg P_2O_5) • MOP – 50 kg (≈ 30 kg K_2O). Apply full P & K + ½ N as basal; remaining ½ N in two splits at 25 and 45 days after transplanting.	**उर्वरक प्रबंधन**	उर्वरक एवं पोषक तत्व प्रबंधन (प्रति एकड़) जैविक खाद: रोपाई से पहले 10-12 टन गोबर की खाद। रासायनिक उर्वरक: • यूरिया – 100 कि.ग्रा. (≈ 46 कि.ग्रा. नाइट्रोजन) सपोषी खाद – 150 कि.ग्रा. (≈ 24 कि.ग्रा. फास्फोरस/ऑक्सीजन) मोपोषी खाद – 50 कि.ग्रा. (≈ 30 कि.ग्रा. पोटेशियम/ऑक्सीजन) पूरा फास्फोरस और पोटेशियम + आधा नाइट्रोजन आधार के रूप में डालें; शेष आधा नाइट्रोजन रोपाई के 25 और 45 दिन बाद दो किस्तों में डालें।	**ખાતર વ્યવસ્થાપન**
Irrigation Management	Irrigation Management • First irrigation immediately after transplanting. • Subsequent irrigations every 7–10 days (cool weather) or 5–6 days (dry season). Maintain consistent moisture; water stress leads to cracking heads. Stop irrigation 10 days before harvest.	**सिंचाई प्रबंधन**	सिंचाई प्रबंधन • रोपाई के तुरंत बाद पहली सिंचाई करें। • इसके बाद हर 7-10 दिन (ठंडे मौसम में) या 5-6 दिन (शुष्क मौसम में) सिंचाई करें। पौधों में नमी का स्तर स्थिर रखें; पानी की कमी से बालियाँ फट सकती हैं। कटाई से 10 दिन पहले सिंचाई बंद कर दें।	**સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન**
Pest Management	Pest Management 1. Diamondback Moth: Spray Neem oil @ 3% or Emamectin Benzoate @ 0.4 g/L. 2. Cabbage Looper / Leaf Eater: Spray Spinosad @ 0.3 ml/L or Chlorantraniliprole @ 0.3 ml/L. 3. Aphids / Whitefly: Use yellow sticky traps; spray Dimethoate @ 300 ml/acre or Imidacloprid @ 0.3 ml/L.	**कीट प्रबंधन**	कीट प्रबंधन 1. डायमंडबैक मोथ: 3% नीम का तेल या 0.4 ग्राम/लीटर इमेमेक्टिन बेंजोएट का छिड़काव करें। 2. पत्तागोभी लूपर/पत्ती खाने वाला कीट: 0.3 मिली/लीटर स्पाइनोसाड या 0.3 मिली/लीटर क्लोरेंट्रानिलिप्रोले का छिड़काव करें। 3. एफिड्स/सफेद मक्खी: पीले चिपचिपे जाल का उपयोग करें; 300 मिली/एकड़ डाइमेथोएट या 0.3 मिली/लीटर इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें।	**જીવાત વ્યવસ્થાપન**
Disease Management	Disease Management 1. Black Rot: Drench with Copper Oxychloride @ 3 g/L and use disease-free seed. 2. Damping-off: Treat seed with Thiram @ 3 g/kg and drench nursery with Mancozeb @ 2 g/L. 3. Downy Mildew: Spray Metalaxyl + Mancozeb @ 2 g/L. 4. Alternaria Leaf Spot: Spray Mancozeb @ 2.5 g/L at 10-day intervals.	**रोग प्रबंधन**	रोग प्रबंधन 1. काला सड़न: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @ 3 ग्राम/लीटर से बीजों को उपचारित करें और रोगमुक्त बीजों का प्रयोग करें। 2. गलनांक: बीजों को थिरम @ 3 ग्राम/किग्रा से उपचारित करें और नर्सरी में मैनकोजेब @ 2 ग्राम/लीटर से बीजों को उपचारित करें। 3. अधम फफूंदी: मेटालेक्सिल + मैनकोजेब @ 2 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें। 4. अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा: मैनकोजेब @ 2.5 ग्राम/लीटर का छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर करें।	**રોગ વ્યવસ્થાપન**
Harvesting & Yield	Harvesting / Yield Harvest heads when firm and compact, about 75–120 days after transplanting, depending on variety and season. Avoid overmature heads to prevent splitting. Average yield: 150–200 q/acre (depending on hybrid and management).	**कटाई और उपज**	कटाई / उपज रोपण के लगभग 75-120 दिन बाद, जब बालियाँ सख्त और सघन हो जाएँ, तब उनकी कटाई करें (किस्म और मौसम के अनुसार)। अधिक पकी हुई बालियों को काटने से बचें ताकि वे फट न जाएँ। औसत उपज: 150-200 क्विंटल प्रति एकड़ (किस्म और प्रबंधन के अनुसार)।	**લણણી અને ઉપજ**
Post-Harvest Management & Storage	Post-Harvest Handling Trim outer leaves and roots; grade by size and firmness. Pack in ventilated crates or bamboo baskets. Store at 0–5 °C and 90–95% RH for 2–3 months.	**फसल कटाई के बाद का प्रबंधन और भंडारण**	कटाई के बाद की प्रक्रिया बाहरी पत्तियों और जड़ों को छाँट लें; आकार और कठोरता के अनुसार छाँट लें। हवादार बक्सों या बांस की टोकरियों में पैक करें। 0–5 डिग्री सेल्सियस और 90–95% सापेक्ष आर्द्रता पर 2-3 महीने तक संग्रहित करें।	**લણણી પછીનું સંચાલન અને સંગ્રહ**
Disclaimer	These recommendations are based on SAUs, government agencies, and trial centers. Actual results may vary depending on soil type, climate, variety, and crop management practices.	**अस्वीकरण**	ये सिफ़ारिशें एसएयू, सरकारी एजेंसियों और परीक्षण केंद्रों पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम मिट्टी के प्रकार, जलवायु, किस्म और फसल प्रबंधन पद्धतियों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं।	**અસ્વીકરણ**